देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंकः 100 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार–प्रवाह...
बराबरी का संदेश

देहरादून, शनिवार, 20 जुलाई 2024

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 32.0° न्यूनतम 26.0°

79924.77

2 हमें एक अविश्वसनीय जीत मिलेगी

7 क्या खत्म हो गया चहल का करियर

उत्तराखंड में भी दुकानदारों को लिखना होगा मालिक का नाम

हरिद्वार पुलिस का आदेश जारी, न करने पर होगी कानूनी कार्रवाई

संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश की तरह अब उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित रेस्टोरेंट और होटलों के मालिकों को अपने नाम के साथ बोर्ड लगाना होगा। हरिद्वार पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले सभी होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट मालिकों से इस आदेश का पालन करने को कहा है।

हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया, कांवड़ की तैयारियों के संबंध में जो होटल, ढाबे, रेस्तरां और कांवड़ मार्ग पर जो रेड़ी–पटरी वाले हैं उन्हें हमारे द्वारा सामान्य निर्देश दिया गया है कि वे अपनी दुकानों पर मालिक का नाम लिखेंगे और ऐसा न करने पर उनके खिलाफ हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। कई बार इसके कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, इसलिए हमारे द्वारा यह निर्णय लिया गया है। कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बीते दिन जिले के राजपत्रित अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें अधिकारियों को दिए गए अलग–अलग टास्क की समीक्षा की। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि हर छोटी से छोटी जिम्मेदारी को लेकर अलर्ट रहें। अधीनस्थों से समन्वय बनाएं और लगातार अपडेट लेकर आवश्यक निर्देश देते रहें। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं चलेगी।

इसके साथ ही थानों में ड्रोन की उपलब्धता, ड्रोन संचालक के नाम व मोबाईल नम्बर की सूची तैयार रहे। कांवड़ मेला क्षेत्र में कहां–कहां बडे फायर टेंडर लगेंगे, छोटे फायर टेंडर कहा–कहां लगे, उन जगहों को चिन्हित करें। बैरागी कैम्प में कितने छोटे फायर टेंडर लगेंगे। उनकी सूची, कहां–कहां पर फायर पुलिस बल की ड्यूटी लगेगी, छोटे फायर टेंडर कितने लगाए जाएं। इस संबंध में जल्द कार्यवाही पूरी करें। मेला ड्यूटी के लिए गैर जनपद व पैरामिल्ट्री फोर्स की रहने और खाने की व्यवस्था पर भी एसएसपी ने जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए सभी कर्मचारियों को बरसाती, छाता इत्यादि दे दिया जाए।

बता दें कि, इससे पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कांवड़ यात्रा पर डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा था कि सारे कांवड़ मार्ग पर पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है।

कांवड़ मार्ग पर नेमप्लेट लगाने में कोई आपत्ति नहीं: सीएम

सीएम धामी ने कहा कि हमने बैठक में ही फैसला लिया था कि लोग अपनी पहचान बताकर काम करें। इसमें कोई बुराई नहीं है। हमारा राज्य भाईचारे वाला राज्य है। मिल जुलकर रहते हैं। इसलिए कांवड़ मार्ग पर पहचान के साथ नाम लिखने को कोई आपत्ति की बात नहीं है।

दुकानों का निरीक्षण कर रेट लिस्ट लगवाएः एसएसपी

एसएसपी ने कहा कि हाईवे पर स्थित होटल, ढाबों व अन्य खाने–पीने की दुकानों का निरीक्षण कर रेट लिस्ट लगवाएं। हाइवे पर लगने वाले भंडारों की सूची, भंडारा स्थल की क्षमता, वाहन पार्किंग की व्यवस्था और बिजली आपूर्ति को लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाए। प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर लगने वाले पुलिस बल की संख्या की सूचना और जिन सामान, उपकरणों और संसाधनों की आवश्यकता है, उसकी पूर्ति की जाए।

आदेश पर विपक्ष के विरोध की विहिप ने की आलोचना

रिपोर्ट के अनुसार, मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट संचालकों से उनके मालिकों के नाम लिखने के उत्तर प्रदेश पुलिस के आदेश पर विपक्षी दलों की आपत्ति जताई है। हालांकि, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने उनकी आलोचना की और कहा कि हिंदुओं की आस्था की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। विहिप की यह प्रतिक्रिया तब आई जब कांग्रेस ने मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश की आलोचना करते हुए इसे "भारत की संस्कृति पर हमला" बताया और आरोप लगाया कि इस तरह के आदेश के पीछे की मंशा 'मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का सामान्यीकरण करने' का प्रयास है।

संक्षिप्त समाचार

नीट पेपर लीक मामले में मेडिकल छात्रा गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रांची। नीट–यूजी पटना पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को रांची के त्प्डै (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस) कॉलेज की प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा सुरभि कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। उस पर आरोप है कि उसने अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्र हल किया था। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के लिए उसे तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है।

जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड अंबेसडर बन जाएं राहुल गांधी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके राज्य में मुस्लिम आबादी वर्ष 2041 तक बहुसंख्यक हो जाएगी। असम के मुख्यमंत्री ने तंज के अंदाज में कहा, मुसलमानों की आबादी को काबू में करने में कांग्रेस ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड अंबेसडर बन जाएं तो लक्ष्य हासिल हो जाएगा।

दुनियाभर के विंडोज का सर्वर हुआ डाउन

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बुलाई आपातकालीन बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में आई समस्या की वजह से दुनियाभर में विमान सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कई देशों में विमान उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। भारतीय एयरलाइन इंडिगो ने कहा है कि तकनीकी खराबी की वजह से विमान सेवाएं प्रभावित हुई है। कई विमानन कंपनियों के फ्लाइट उड़ान नहीं भर पा रही हैं।

विश्वभर में विंडोज पर काम करने वाले सिस्टम को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर ठप होने की वजह से दुनियाभर में बैंक से लेकर एयरलाइन्स तक की सर्विसेस बाधित हुई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर जानकारी दी कि वैश्विक आईटी समस्या के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुई हैं। आईटी मंत्रालय सिस्टम आउटेज पर माइक्रोसॉफ्ट से बातचीत कर रहे हैं। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, एमईआईटीवाई वैश्विक आउटेज के संबंध में माइक्रोसॉफ्ट और उसके सहयोगियों के संपर्क में है। इस आउटेज का कारण पहचान लिया गया है और समस्या को हल करने के लिए अपडेट जारी कर दिए गए हैं। सीईआरटी एक तकनीकी सलाह जारी कर रहा है। एनआईसी नेटवर्क प्रभावित नहीं है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में विमान सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कई एयरपोर्ट पर चेक–इन सेवाएं बंद हो चुकी हैं। सबसे ज्यादा अमेरिकी एयरलाइंस सर्विस पर असर पड़ा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सेवाएं प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट की बीएसओडी प्रॉब्लम का असर देश भर की कई एयरलाइंस कंपनियों पर भी पड़ा है। इंडिगो, अकासा और स्पाइसजेट एयरलाइंस के चेक इन सिस्टम डाउन हो गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल–2 पर सर्वर डाउन का असर पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, एयरलाइंस कंपनियां मैनुअल प्रोसेस को फॉलो कर रही है। टेकनिकल फॉल्ट पर एयर इंडिया ने भी जानकारी देते हुए कहा कि विमान कंपनी की डिजिटल सिस्टम भी प्रभावित हुई है।

उत्तराखंड ऐसा करने वाला दुनिया का पहला राज्य: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सकल पर्यावरण उत्पाद(जीईपी) लांच किया। इसके बाद सीएम ने प्रेसवार्ता कर कहा कि उत्तराखंड दुनिया का पहला राज्य है, जहां जीईपी लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि हम सब लोगों के लिए आज एतिहासिक दिन है। हमारे पूर्वज अच्छी वायु, जल स्रोत देकर गए हैं। पूरा वायुमंडल शुद्ध वायु से आच्छादित है। जिस प्रकार से हम विकास में आगे बढ़ रहे हैं, उसके तहत कैसे हम पर्यावरण को भी संरक्षित कर रहे हैं, ये उसका सूचकांक है। हमारे सामने आने वाले वर्षों में भी इसे बनाए रखने की चुनौती है। ग्रीन बोनस की हम मांग करते थे, लेकिन आज पिछले तीन साल के आंकड़े आए हैं। उससे हमें बेहतर करने का मौका मिलेगा। नीति आयोग, भारत सरकार में ये सूचकांक हमारे लिए कारगर होगा। हमारे हजारों गाड़ गदेरे सूख गए हैं। हम उनके पुनर्जीवन का काम कर रहे हैं। हमारे पास कई शहरों की धारण क्षमता की जानकारी आ गई है। सीएम ने कहा कि नीति आयोग और मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में हम राज्य से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। हमारी 1.25 करोड़ जनसंख्या भले हो, लेकिन पर्यटन और तीर्थयात्रा को मिलाकर आठ करोड़ से अधिक लोग आते हैं। लिहाजा हम जैसे राज्यों के लिए विकास के मॉडल का फॉर्मूला अलग होना चाहिए।

शुभारंभ

■सीएम धामी ने किया जीईपी सूचकांक का शुभारंभ

चारधाम पर राजनीति न करें

सीएम धामी ने केदारनाथ धाम से 228 किलो सोने के मामले में कहा कि मैं कुछ बोलना नहीं चाहता क्योंकि हमारे पूजनीय संत, मंदिर समिति पहले ही बोल चुकी है कि ये तथ्यों से परे है। मैं राजनीतिक दलों के मित्रों से आग्रह करता हूं कि चारधाम पर राजनीति न करें।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

उन्हें अपनी राय रखने का अधिकार: विदेश मंत्रालय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी की रणनीतिक स्वायत्तता वाले बयान पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कई अन्य देशों की तरह भारत भी अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है। अमेरिकी राजदूत को अपनी राय रखने का अधिकार है। हमारे विचार भी अलग–अलग हैं। अमेरिका के साथ हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमें एक–दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए कुछ मुद्दों पर असहमत होने के लिए सहमत होने की गुंजाइश देती है।

अमेरिका ने दिखाई तल्खी तो भारत ने दिया करारा जवाब

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक, रणनीतिक, वैश्विक साझेदारी है। हमारे पास चर्चा करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं और दोनों पक्ष कई पहलुओं पर एक–दूसरे के साथ बातचीत करते हैं और हम उन सभी मुद्दों पर चर्चा करते हैं जो दोनों पक्षों के लिए हितकारी हैं। राजनयिक बातचीत का विवरण साझा करना हमारी प्रथा नहीं है।

न्यूज डायरी

बाइडन की उम्मीदवारी पर अब उन्हीं के पार्टी के नेता उठाने लगे सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की तारीख जैसे–जैसे पास आती जा रही है, वैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बाइडन की उम्मीदवारी पर अब उन्हीं के पार्टी के नेता सवाल उठाने लगे हैं, जिसके बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने का दबाव बन गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा भी अब उन लोगों की टोली में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने जो बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में वापसी के अभियान के बारे में चिंता जताई है। ओबामा ने सहयोगियों से कहा कि हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की जीत की राह बहुत मुश्किल हो गई है। ओबामा ने कहा कि बाइडन को अब उम्मीदवारी की व्यवहार्यता पर गंभीरता से विचार करना होगा, नहीं तो चीजें और खराब हो जाएंगी। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा ने कहा कि उन्हें पता चला है कि बाइडन पोल में अब पिछड़ते जा रहे हैं और ऐसा ही चलता रहा तो धीरे–धीरे ट्रंप का रास्ता आसान हो जाएगा। ओबामा का बयान डेमोक्रेटिक पार्टी के लगभग 20 नेताओं द्वारा बाइडन को अभियान छोड़ने के लिए कहने के बाद आया है। सीएनएन ने बताया कि इससे पहले पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने बाइडन से एक निजी बातचीत में कहा कि वह ट्रंप को हराने की उनकी संभावनाओं के बारे में निराशावादी हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में भी सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे कैलिफोर्निया के वरिष्ठ हाउस डेमोक्रेट एडम शिफ ने कहा कि बाइडन को अपना अभियान समाप्त कर देना चाहिए।

भारत की तीखी मिर्च से बने चिप्स खाकर जापान के 14 छात्रों की बिगड़ी हालत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान में भारत की सबसे तीखी मिर्च (भूत झोलकिया) से बने आलू के चिप्स खाने के बाद 14 छात्रों बीमार पड़ गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जापान के स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, यह चिप्स बेहद मसालेदार थे, जिसे तकरीबन 30 छात्रों ने खाए थे। 16 जुलाई को एक छात्र टोक्यो के अपने स्कूल में खाने के लिए भूत झोलकिया मिर्च से बने चिप्स लेकर आया था। चिप्स को 30 छात्रों ने खाया। हालांकि, चिप्स पर यह चेतावनी भी दी गई थी कि 18 साल से कम उम्र के लोगों को यह उत्पाद नहीं खाना चाहिए। इसके बावजूद छात्रों ने इसे खा लिया। चिप्स खाने के बाद कई छात्रों ने मतली और मुंह में दर्द की शिकायत शुरू कर दी। छात्रों से शिकायत मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस सूचनी दी। इसके बाद 14 छात्रों को अस्पताल ले जाया गया। वहीं, चिप्स बनाने वाली कंपनी इसोयामा कॉर्प ने इस घटना के बाद एक बयान में 18 साल से अधिक उम्र वालों के लिए चेतावनी दोहराई। चिप्स बनाने वाली कंपनी ने कहा, ष18 साल से कम उम्र के लोगों को इस उत्पाद को खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह बहुत मसालेदार है। न केवल वे लोग जो मसालेदार खाना पसंद नहीं करते बल्कि मसालेदार खाना पसंद करने वाले लोगों को भी इस उत्पाद को खाते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

जो बाइडन से ज्यादा कमला हैरिस को योग्य मानती है पार्टी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर राष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवारी छोड़ने के लिए बढ़ रहे दबाव के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के अधिकतर नेताओं को लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे अच्छी उम्मीदवार हैं। एपी–एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण में पता चला है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 10 में से छह नेताओं को लगता है कि कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार हैं। 10 में से लगभग दो नेताओं ने कहा कि उन्हें नहीं लगता की कमला हैरिस सही उम्मीदवार हैं जबकि 10 में से दो अन्य ने कहा कि उन्हें इस बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है कि वे कुछ कह सकें। 27 जून को हुई बहस में बाइडन के खराब प्रदर्शन को देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं का कभी गुपचुप तरीके से तो कभी खुले तौर पर मानना है कि हैरिस को बाइडन की जगह राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। जहां तक हैरिस की बात है तो वह बाइडन का पूरी तरह से समर्थन करती रही हैं।

तुर्की ने भारत को हथियार बेचने पर लगाया बैन

रिपोर्ट

पाकिस्तान के दोस्त एर्दोगन ने लिया सीक्रेट फैसला, गलती से खुल गई पोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अंकारा। तुर्की हमेशा इस्लामिक देश होने के कारण पाकिस्तान के समर्थन में रहता है। इस कारण अब तुर्की और भारत के संबंधों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। तुर्की सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक भारत को सैन्य उपकरण बेचने पर सीक्रेट तरीके से प्रतिबंध लगा दिया है। एर्दोगन की सरकार ने बैन का सीधा फैसला नहीं लिया है। लेकिन किसी भी हथियार बिक्री को मंजूरी नहीं दी जा रही है। यह फैसला तब लिया गया है जब कुछ महीनों पहले भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की फर्म के साथ कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। तुर्की सरकार ने बैन के बारे में कोई बड़ी घोषणा नहीं की है। लेकिन इसका खुलासा तुर्की संसद में एक बंद दरवाजे के सत्र में हुआ। विदेश मामलों की समिति में 10 जुलाई 2024 के बहस के विवरण के मुताबिक तुर्की की शीर्ष हथियार खरीद

एजेंसी, प्रेसीडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष मुस्तफा मूरत सेकर ने अनजाने में इस सीक्रेट नीती का खुलासा कर दिया। हालांकि तुर्की की ओर से उठाए गए इस कदम से कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि जब भी जियोपॉलिटिक्स की बात आती है तो दोनों एक दूसरे के विपरीत दिखते हैं। पाकिस्तान के साथ करीबी के बीच देखा जाता है कि तुर्की लगातार भारत विरोधी बयान देता है। यही कारण है कि भारत भी तुर्की के खिलाफ खड़ा हो रहा है। वह भी लगातार तुर्की के दुश्मन ग्रीस से जुड़े विवाद को उठाता रहता है।

अप्रैल में भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की एक फर्म के साथ अनुबंध रद्द कर दिया था। साथ ही अप्रैल में ही भारत ने ग्रीस के सेना प्रमुख का स्वागत किया था। सेकर ने अपने खुलासे को संवेदनशील बताते हुए सांसदों को बताया कि जब ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तब सरकार की तरफ से एक भी सैन्य वस्तु की बिक्री की मंजूरी नहीं दी जाती। भारत के साथ मतभेद के खतरे के बावजूद गुप्त प्रतिबंध की जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है।

भारत दुनिया के शीर्ष पांच हथियार आयातकों में से एक है। यह हथियार कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जो लगभग 100 अरब डॉलर का आयात करता है। उन्होंने कहा, हालांकि हमारी राजनीतिक परिस्थितियों और पाकिस्तान के साथ हमारी दोस्ती के कारण, हमारा विदेश मंत्रालय हमें भारत में किसी भी निर्यात पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देता है और परिणामस्वरूप हम अपनी कंपनियों को कोई परमिट नहीं देते हैं। विदेश में तुर्की रक्षा सामग्री की बिक्री के लिए तुर्की सेना से मंजूरी की जरूरत होती है।

कुछ चीजें तो बदलनी होंगी भारतीयों पर होगा सीधा असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा के लिए सीमा लागू की थी। विदेशी छात्रों की संख्या को कम करने के लिए ये कार्यक्रम शुरू किया गया है। कनाडा विदेशी छात्रों के लिए अपने दीर्घकालिक वीजा कार्यक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है, ये सरकार की धीमी आप्रवासन और जनसंख्या वृद्धि की दिशा में नीति में बदलाव का संकेत है। जीवनयापन की बढ़ती हुई लागत, आवास की कमी और बढ़ती बेरोजगारी के चलते सरकार पर बढ़े दबाव के बाद यह कदम उठाया गया है। इमिग्रेशन मिनिस्टर मिलर ने भी कनाडा सभी छात्रों को रुकने की इजाजत नहीं दे सकता है। उन्होंने बड़ी आप्रवासी आबादी वाले क्षेत्रों में बढ़ते नस्लवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आप्रवासन पर कनाडा अपनी समझ बदल रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने कहा कि सरकार आप्रवासन को श्रम बाजार की मांगों के साथ संरेखित करने के लिए प्रांतों के साथ काम कर रही है। मिलर ने इस बात पर जोर दिया कि स्टडी वीजा को भविष्य के निवास या नागरिकता की गारंटी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

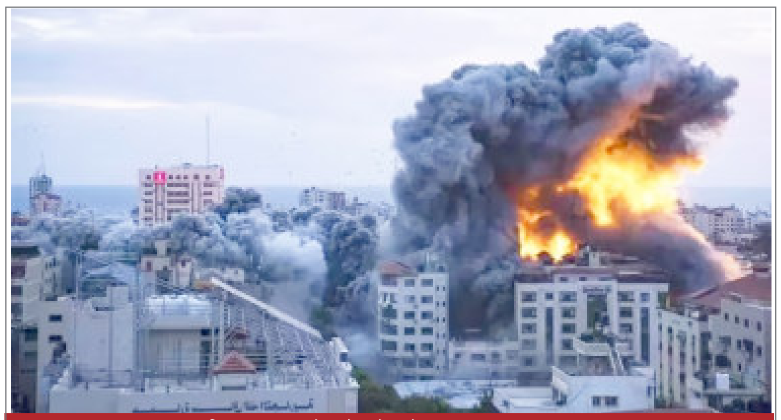

इजरायल की हवाई सुरक्षा को भेदने में कामयाब हूती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। तड़के तेल अवीव में एक बड़ी ड्रोन हमला हुआ, जिसमें एक की मौत हो गई और दस लोग घआयल हो गए। इजरायल पर हुए एक बड़े हमले की जिम्मेदारी हूती विद्रोहियों ने ली है। इजरायली सेना के अधिकारियों ने बताया है कि इस ड्रोन हमले काफी बड़ा था, विस्फोट के छर्रे सड़कों पर गिरे जिससे इसन काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि हम यह समझ नहीं पाए कि ड्रोन ने कैसे इजरायल की हवाई सुरक्षा को चकमा दे दिया। वहीं, हमले के बाद इजरायल ने कहा है कि अब वह दोगुनी तेजी से हवाई हमले करेगा। दरअसल, हूती विद्रोही हमास के साथ सहानुभूति जताते हुए इजरायल पर लगातार ड्रोन और मिसाइलें दाग रहा है। आतंकी समूह ने इजरायल की हवाई सुरक्षा को भेदने के बाद ड्रोन की क्षमता की तारीफ की।

चार महीनों में हमें एक अविश्वसनीय जीत मिलेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के आखिरी दिन ट्रंप मंच पर छाए

मिल्वौकी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर राजनीति चरम पर है। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को गोली लगने के बाद से बाइडन और उनका प्रशासन बैकफुट पर है। इस बीच हमले के बाद ट्रंप एक बार फिर सबके सामने आए हैं।

दरअसल, मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के आखिरी दिन ट्रंप मंच पर छा गए। बटलर–पेंसिल्वेनिया में रैली के दौरान गोली लगने के बाद ट्रंप अपने दाहिने कान पर पट्टी बांधे हुए नजर आए। ट्रंप पर स्टेज पर आए तो यूएसए, यूएसए के नारे लग रहे थे और राष्ट्रगान गॉड ब्लेस अमेरिका बज रहा था।

डोनाल्ड ट्रम्प ने इसके बाद औपचारिक रूप से 2024 में व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ने के आह्वान को स्वीकार किया। ट्रंप ने कहा, मैं पूरे अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं, आधे अमेरिका का नहीं, क्योंकि आधे अमेरिका के लिए जीतने से कोई जीत नहीं होती। इसलिए, आज रात मैं पूरे विश्वास के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए आपके नामांकन को गर्व से स्वीकार करता हूं।

4 महीनों में हमें एक अविश्वसनीय जीत मिलेगी। हम सभी धर्मों, लोगों और पंथों के लिए शांति और समृद्धि का एक नया युग शुरू करेंगे।

ट्रंप ने अपने ऊपर हुए हत्या के प्रयास के बारे में बात करते हुए कहा कि बटलर में उस दिन भगवान ने ही उन्हें बचाया था। उन्होंने कहा, मैं इस शाम की शुरुआत शनिवार को मेरी रैली में हत्या के प्रयास के बाद अमेरिकी लोगों द्वारा दिए गए प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करके करना चाहता हूं। हत्यारे की गोली मेरी जान लेने के एक चौथाई इंच के अंतर से रह गई। मैं सुरक्षित महसूस कर रहा था क्योंकि मेरे साथ भगवान थे। गोलियां हम पर बरस रही थीं, लेकिन मैं शांत था। अगर मैं गर्दन नहीं हिलाता तो शायद बचता भी नहीं।

लादेन का खास रहा आतंकी अमीन हक गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शहर गुजरात से ओसामा बिन लादेन के करीबी सहयोगी अमीन अल हक को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के सीटीडी ने ये गिरफ्तारी की है। सीटीडी की ओर से इसकी जानकारी देते हुए बताया गया कि पंजाब प्रान्त के गुजरात में अल कायदा के संस्थापक ओसामा बिन लादेन के सहयोगी रहे अमीन हक के होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद एक ऑपरेशन चलाते हुए उसको गिरफ्तार कर लिया गया। अफगान नागरिक अमीन की गिरफ्तारी को काफी अहम माना जा रहा है। ऐसा भी दावा किया जा रहा है कि अमीन कोई खतरनाक प्लान गुजरात में रहकर बना रहा था। डीआइजी सीटीडी उस्मान अकरम गोनाडल ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन के दौरान आतंकी अमीन को पकड़ा गया।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

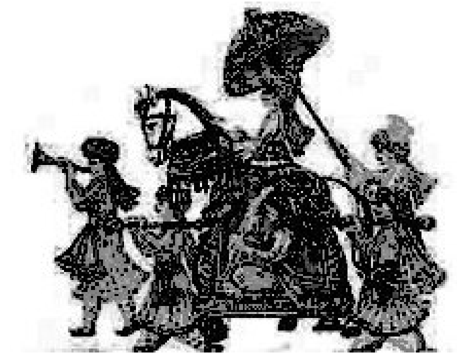

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

संवाद से राज्य के विकास और जनहित के कार्यों में तेजी आएगी: विस अध्यक्ष

वार्ता

विस अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने सांसद अजय भट्ट से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण अपने कुमाऊं क्षेत्र प्रवास के दूसरे दिन हल्द्वानी सर्किट हाउस पहुंची जहां नैनीताल–ऊधम सिंह नगर लोकसभा सीट से सांसद अजय भट्ट से उन्होंने शिष्टाचार भेंट की। इस भेंट के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा वार्ता हुई।

हल्द्वानी पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण का स्थानीय विधायक सरिता आर्य के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। ऋतु खण्डूडी भूषण ने हल्द्वानी पहुंचने पर सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मिलन और संवाद से राज्य के विकास और जनहित के कार्यों में तेजी आएगी।

भेंट के पश्चात, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने हल्द्वानी कोठगोदाम स्थित शक्तिपीठ शीतला माता मन्दिर में दर्शन और

पूजा–अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की समृद्धि और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।

विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानीय कार्यकर्ता व जनता के बीच में उत्साह व जागरूकता देखकर विधानसभा अध्यक्ष ने सभी का हृदय सेआभार व धन्यवाद किया। साथ विधानसभा अध्यक्ष के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने अपार हर्ष व उत्साह व्यक्त करते हुये कहा कि उनके आगमन से सभी कार्यकर्ताओं में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है।

कार्यक्रम में युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गजराज बिष्ट , सचिन शाह , ग्राम प्रधान कलावती देवी ,क्षेत्र पंचायत सदस्य पूनम गोस्वामी ,प्रमोद बोहरा मुकेश बोरा,विजय कौशल जीना मनराल ,दीपांशु जीना ,पंकज सूर्य उदित चौधरी आदि उपस्थित रहे।

कुमाऊं क्षेत्र के भ्रमण पर पंहुची विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने नैनीताल जनपद में हरैला महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। ग्रीन फाउंडेशन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के श्एक पेड़ माँ के नामश अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और वृक्षारोपण करके प्रकृति को हर–भरा रखने का सन्देश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के महत्व को बढ़ावा देना था। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर वृक्षारोपण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्एक पेड़ माँ के नामश अभियान की सराहना की और इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, यह अभियान हमें न केवल हमारे पर्यावरण की सुरक्षा करने का अवसर देता है, बल्कि इसे हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संरक्षित करता है।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने मंगल पांडे की जयंती के पर उन्हे याद किया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर महान क्रांतिकारी स्वर्गीय मंगल पांडे की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर समिति उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने बताया कि मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुआ था बचपन से ही उनमें देश प्रेम की भावना भरी हुई थी 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे ने अपने रेजीमेंट के मेजर पर पहली गोली चलाई थी।

समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में मंगल पांडे की भूमिका अहम थी भारत सरकार ने उन्हें याद कर सम्मान देते हुए 1984 में उनके नाम से डाक टिकट जारी किया था उनके योगदान को कभी नहीं बुलाया जा सकता देश को आज ऐसे देश भक्तों की जरूरत है। वरिष्ठ राज्य प्राप्त आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती ने इस मौके पर कहा कि हमें अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि हमें मंगल पांडे के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि देश भक्ति उनके जीवन में कूट–कूट कर भरी हुई थी।

यूपीसीएल ने इनोवेटिव स्ट्रेटेजी से हासिल की 50 करोड़ से अधिक की बचत

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) ने बिजली खरीद को और अनुकूल बनाते हुए इनोवेटिव स्ट्रेटेजी को अपनाया है और इस तरह कंपनी ने 50 करोड़ से अधिक की बचत करने में सफलता हासिल की। बिजली एक्सचेंजों से अपनी सर्दियों की खरीद को बनाए रखकर यूपीसीएल ने यह बचत हासिल की है। आमतौर पर हाइड्रो पावर पर निर्भर रहने वाला उत्तराखंड, कम हाइड्रो लेवल के कारण सर्दियों में बाहरी स्रोतों और अल्पकालिक बिजली बाजार पर अपनी निर्भरता बढ़ाता है। अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक सर्दियों के महीनों के दौरान बिजली की मांग को पूरा करने के लिए, यूपीसीएल ने शुरुआत में डिस्कवरी ऑफ एफिशिएंट इलेक्ट्रिसिटी प्राइस (डीईईपी) पोर्टल पर निविदाएं आमंत्रित कीं।

एचडीएफसी बैंक ने 10.19 करोड़ लोगों और 9000 से अधिक गांवों को प्रभावित किया

संवाददाता देहरादून। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने वर्ष 2023–24 के लिए एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों पर 945.31 करोड़ रुपये के व्यय की सूचना दी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 125 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाता है। अपने सीएसआर ब्रांड, परिवर्तन के तहत, एचडीएफसी बैंक की पहलों ने अब तक 10.19 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

केदारनाथ से शिला ले जाने के मामले में सीएम धामी जवाब दें

- नैनीताल यूथ कांग्रेस ने केदारनाथ से शिला दिल्ली ले जाने का लगाया आरोप
- जनता इस मामले में सच्चाई जानना चाहती

संवाददाता रामनगर। नैनीताल यूथ कांग्रेस ने केदारनाथ से शिला दिल्ली ले जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से जवाब मांगा है। रामनगर में शुक्रवार को प्रेसवार्ता में संगठन के जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी ने कहा कि जनता इस मामले में सच्चाई जानना चाहती है।

रामनगर के एक रेस्टोरेंट में प्रेस से बातचीत में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष लोहनी ने कहा कि हम शिला को दिल्ली ले जाने की कार्यवाही के पीछे नीयत पर सवाल उठाएंगे। यूथ कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता की भावनाओं को आवाज देगा। आने वाले दिनों में संगठन श्केदारनाथ शिला के संबंध में मुख्यमंत्री के कार्यों का विरोध करते हुए एक सुधि हवन का आयोजन किया जाएगा। इस हवन के माध्यम से हम अपनी संस्कृति और आस्था की रक्षा करने का संकल्प लेंगे। यूथ कांग्रेस सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए सरकार का पुतला दहन करेगी। इस अवसर पर हम मुख्यमंत्री की नीतियों और कार्यों का विरोध करते हुए उनकी जिम्मेदारी तय करेंगे।

प्रेस वार्ता के दौरान छात्र संघ अध्यक्ष ललित कडाकोटी, प्रदेश महासचिव तनुज दुर्गापाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार के फैसले पर जताई खुशी

संवाददाता ऋषिकेश। देश के अन्य राज्यों में चारों धामों के नामों के दुरुपयोग पर सख्त कानून बनाने के फैसले पर साधु संतों और संस्कृत जगत से जुड़े ऋषिकुमारों ने खुशी जताई है। फैसले का स्वागत करते हुए साधु–संतों ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को आभार पत्र भेजा है। शुक्रवार को साधु संतों और संस्कृत जगत से जुड़े युवाओं ने ऋषिकेश तहसील पहुंचकर एसडीएम के माध्यम से सीएम को धन्यवाद पत्र भेजा। दर्शन महाविद्यालय के प्रबंधक संजय शास्त्री ने कहा कि सरकार ने चारों धामों के नाम से देश के अन्य किसी भी स्थान पर मंदिर निर्माण नहीं हो सकेगा, ऐसा फैसला लिया है, जो स्वागत योग्य है। यह निर्णय उत्तराखंड की जनमानस की भावनाओं का सम्मान है। शंकराचार्य आश्रम के प्रबंधक केशव स्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि अब कोई संस्था या ट्रस्ट चार धामों के नाम से अन्य स्थान पर मन्दिर या धाम निर्माण नहीं करा पाएगी।

गोपेश्वर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र किया गया प्रदान

संवाददाता।

- मंत्रालय की टीम ने मार्च माह में इस अस्पताल का निरीक्षण किया था

चमोली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा देने वाले सीमांत चमोली जनपद के जिला चिकित्सालय गोपेश्वर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया है। मंत्रालय की टीम ने मार्च माह में इस अस्पताल का निरीक्षण किया था।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा देने वाले जनपद चमोली के जिला चिकित्सालय गोपेश्वर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण–पत्र से नवाजा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएस) के मापदंडों में 91 प्रतिशत अंक एवं लक्ष्य नेशनल सर्टिफिकेट हेतु 91.8 प्रतिशत अंक मिले है। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 अनुराग धनिक ने बताया कि सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत के कड़े फैसलों एवं उनके कुशल नेतृत्व के चलते जनपद में स्वास्थ्य का लगातार सुधारीकरण एवं विस्तारीकरण हो रहा है। जिसके चलते जनपद के अस्पतालों की सूरत बदलती नजर आ रही है इसका ताजा उदाहरण सीमांत जनपद चमोली का जिला अस्पताल है। चमोली जिला अस्पताल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस (एनक्यूएस) के मानकों पर खड़ा उतरा है। इसके लिए जिला अस्पताल को (एनक्यूएस) एवं लक्ष्य नेशनल सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण–पत्र प्रदान करने से पहले विशेषज्ञों की टीम अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण करती है। इनमें लेबर रूम, मेटरनिटी ओटी, जनरल ओटी, फार्मेसी, रेडियोलॉजी, मेटरनिटी वार्ड एवं जनरल एडमिन का गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत मूल्यांकन किया गया। जिसमें जिला चिकित्सालय गोपेश्वर प्रत्येक अनुभाग में अव्वल पाया गया।

पूर्व सैनिकों व आश्रितों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण शुरु

संवाददाता हल्द्वानी। आईटीडीए कैल्क में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। केंद्र निदेशक प्रतिभा नैनवाल ने बताया कि यह कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम एक साल का है। इसमें 26 लोग प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रिटायर्ड कर्नल रमेश सिंह ने बताया कि पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और वीर नारियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य के लिए सरकार की ओर से एक वर्षीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वर्तमान में डिप्लोमा इन प्रोफेशनल अकाउंटिंग और डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर उप जिला सैनिक अधिकारी रिटायर्ड कैप्टन पुष्कर भंडारी, दीपक नैनवाल, कैलाश तिवारी, नवीन जोशी, सीमा बिष्ट, साहिल मल्होत्रा आदि मौजूद रहे।

बराबरी का संदेश

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट व्यवस्था यह दी है कि चाहे महिला किसी भी धर्म-संप्रदाय की हो, उसकी शादी और तलाक की विधि चाहे जो भी रही है, वह सीआरपीसी की धारा 125 के प्रावधानों के तहत गुजारा भत्ता देने की मांग कर सकती है। देश का कोई भी अन्य कानून उसे इससे नहीं रोकता।

गुलशन राय खत्री।।

मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते से जुड़े एक मामले में बुधवार को आया सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला न सिर्फ इस जटिल मुद्दे पर प्रगतिशीलता की रोशनी डालता है बल्कि समाज में बराबरी की हैसियत के लिए जूझतीं महिलाओं को ताकत देता है। शीर्ष अदालत ने इस फैसले के जरिए बताया है कि सही ढंग से व्याख्या करके पुराने कानूनों को भी नया तेवर दिया जा सकता है।

मामला मूलतः मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के सवाल से जुड़ा था जो देश में मजहब, कानून और राजनीति से जुड़ा एक जटिल मसला रहा है। अस्सी के दशक में चर्चित हुआ शाहबानो मामला आज भी इन तीनों हलकों की चर्चा में उठता रहता है। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट के प्रगतिशील कदम को संसद से नया कानून बनवाकर पलटने की कोशिश तत्कालीन सरकार ने की थी। लेकिन उस समय से अब तक न सिर्फ राजनीति बल्कि समाज का स्वरूप भी काफी बदल चुका है।

अब न तो राजनीति उस तरह के आग्रहों से संचालित होती दिखती है और न समाज। खासकर समाज की महिलाएं उन्हें बर्दाश्त करने की स्थिति में हैं, जिनके दबाव में राजीव गांधी सरकार ने शाहबानो केस के फैसले को पलटने का निर्णय किया था। इसकी तसदीक इस बात से भी होती है कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले को भी जहां राजनीति की एक धारा राजीव सरकार के उस फैसले से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी धारा इससे असहज महसूस कर रही है।

यह बात भी दुरुस्त है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को मुस्लिम महिलाओं तक सीमित मानना इसकी संभावनाओं को कम करके देखना होगा।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट व्यवस्था यह दी है कि चाहे महिला किसी भी धर्म–संप्रदाय की हो, उसकी शादी और तलाक की विधि चाहे जो भी रही है, वह सीआरपीसी की धारा 125 के प्रावधानों के तहत गुजारा भत्ता देने की मांग कर सकती है। देश का कोई भी अन्य कानून उसे इससे नहीं रोकता। स्पष्ट रूप से यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए महिलाओं को अहसास कराया है कि चाहे शादी में रहते हुए खुद को सशक्त महसूस करने की बात हो या परिवार के दायरे से निकलने के बाद अपना हक सुनिश्चित करने की, देश के कानून की शक्ति उनके साथ है। ऐसा मानने का आधार यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए न्याय व्यवस्था को यह संदेश भी दिया है कि कानून को लागू करते हुए और इसकी व्याख्या करते हुए स्त्री–पुरुष समानता और कमजोर तबकों के हितों की सुरक्षा जैसे मूल्यों को ध्यान में रखने की जरूरत है।

विशेष पूजा

अशोक वोहरा। बाबा कहते हैं, बेटे तुम्हारे जीवन में संकट दिखाई दे रहा है। क्या तुम ठीक हो"? राहुल कई दिनों से, काजल से परेशान था। वह बाबा के सामने बैठ कर, अपनी समस्या बताने लगता है, हालाँकि बाबा, काजल के साढ़ेसाती योग के बारे, में पहले से परिचित थे, इसलिए वह राहुल को, काजल के ऊपर आए हुए संकट के बारे में बता देते हैं और कष्ट से मुक्ति के लिए, उपाय बताते हुए, कहते हैं कि, "तुम्हारी पत्नी को शनि भगवान की विशेष पूजा करनी होगी, जिसके बाद वह सामान्य स्थिति में आ जाएगी"। राहुल भगवान का दर्शन करने के बाद, घर पहुँचते ही, काजल से कहता है, "आज मंदिर में वही बाबाजी मिले थेद्य उन्होने बताया कि, तुम्हारा साढ़ेसाती योग चल रहा है, इसलिए तुम्हारे जीवन में चिंता बनी रहती है। ... शेष कल

धर्म-दर्शन

संपादकीय

राह की चुनौतियां

टीडीपी ने राज्य विधानसभा की 175 में से 135 सीटों पर जीत दर्ज की है। ऐसे में चंद्रबाबू एक स्थिर और मजबूत सरकार चला सकते हैं और नई राजधानी को पूरा कर सकते हैं। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं होने जा रहा। सबसे बड़ी वजह है बजट। जब यह प्रॉजेक्ट शुरू हुआ, तब अनुमान था कि लगभग 50 हजार करोड़ रुपयों की जरूरत पड़ेगी। वैसे कुछ एक्सपर्ट्स इससे दोगुने का भी अनुमान लगा रहे हैं। इतना पैसा आएगा कहां से? आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के प्रावधान के मुताबिक, नई राजधानी बनाने में केंद्र को आंध्र की मदद करनी है। लेकिन, यह मदद राजभवन, विधानसभा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए है, न कि एक पूरा शहर बसाने के लिए। केंद्र की एनडीए सरकार को स्थिर रखने में टीडीपी की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है, लेकिन अगर पीएम नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश की मदद करते हैं, तो ऐसी ही मांग दूसरे राज्यों से भी उठ सकती है। अमरावती को जिन खेतों पर बसाया जा रहा, वे बेहद उर्वर थे किसानों ने इस भरोसे के साथ खेत दिए थे कि उनकी मिट्टी से आंध्र को नई पहचान मिलेगी। चंद्रबाबू के सामने उस भरोसे पर खरा उतरने की चुनौती है।

उम्मीद की वजह हैं चंद्रबाबू नायडू आंध्र में उन्होंने वापसी कर ली है और केंद्र में एनडीए की सरकार भी उनकी पार्टी टीडीपी के बिना नहीं चल सकती। ऐसे में उनका ड्रीम प्रॉजेक्ट अमरावती चर्चा में है।

चंद्रबाबू से उम्मीदें

शैलेंद्र पांडेय।।

सातवाहन, इक्ष्वाकू, चालुक्य, चोल काकातिया और रेटी कृष्णा नदी के इस उपजाऊ किनारे ने वक्त के साथ कितने साम्राज्य बनते–बिगड़ते देखे सदियों तक दक्कन की सियासत यहीं से नियंत्रित होती रही। एक बार फिर से जमीन का वह टुकड़ा सियासी रूप से उपजाऊ हो चुका है। आंध्र प्रदेश में फिर से अंगड़ाई ले रही है अमरावती की कहानी स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आंध्र की नई राजधानी के रूप में अमरावती को बसाने की योजना में अब तेजी आएगी। इस उम्मीद की वजह हैं चंद्रबाबू नायडू आंध्र में उन्होंने वापसी कर ली है और केंद्र में एनडीए की सरकार भी उनकी पार्टी टीडीपी के बिना नहीं चल सकती। ऐसे में उनका ड्रीम प्रॉजेक्ट अमरावती चर्चा में है। इस इलाके में जमीन के दाम चार गुना हो चुके हैं।

चंद्रबाबू नायडू जिस अमरावती को बसाने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें वह हेरिटेज अमरावती नहीं आता जो बौद्ध केंद्र और सातवाहन साम्राज्य की राजधानी के रूप में इतिहास में दर्ज है। इस नए अमरावती का इतिहास शुरू होता है एक दशक पहले से 2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा कर अलग राज्य तेलंगाना बनाया गया हैदराबाद को 10 बरसों के लिए दोनों राज्यों की राजधानी घोषित किया गया था। कृष्णा नदी के किनारे गुंटूर

जिले में लगभग 217 वर्ग किमी में अमरावती को बसना है अक्टूबर 2015 में पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था। विधानसभा, राजभवन, हाई कोर्ट, सचिवालय यहां हर वह चीज बननी थी जो एक राजधानी में होती है। इसे आधुनिक भारत के ऐसे आधुनिक शहर के रूप में डिजाइन किया जा रहा था, जहां कॉमर्स, ट्रेड, गवनेंस, नॉलेज, टूरिज्म, मेडिसिन हर फील्ड के लिए एक्सक्लूसिव जोन होते।

साल 2019 में टीडीपी की हार हुई और वाईएसआर कांग्रेस सत्ता में आई। वरिष्ठ पत्रकार संजय कुमार बताते हैं, 'जगनमोहन रेड्डी की सरकार में अमरावती से फोकस हट गया था। ऐसे में चंद्रबाबू को अब सब नए सिरे से शुरू करना होगा। हैदराबाद को डिवेलप करने में भी चंद्रबाबू का ही हाथ है। लोगों को उम्मीदें हैं कि वह अमरावती को भी विकास की राह पर ले जा सकते हैं आंध्र में ऐसी भावना है कि इस बार केंद्र का पूरा सपोर्ट मिलेगा। पहले फेज का काम 30 महीने में पूरा होना है।' चंद्रबाबू बड़े प्रशंसक हैं सिंगापुर मॉडल के। वह अमरावती को सिंगापुर की तरह ही डिवेलप करना चाहते हैं, एक ग्लोबल सिटी के रूप में।

आंध्र प्रदेश की यह प्रस्तावित राजधानी फिलहाल एक मेगा साइट के रूप में नजर आती है। पांच बरसों बाद टीडीपी की वापसी से यहां हलचल बढ़ गई हैं। हमारे सहयोगी अखबार रिपोर्ट से पता चलता कि अमरावती में जनप्रतिनिधियों और उच्च अधिकारियों के रहने के लिए बन रहे बंगलों, विधायकों के अपार्टमेंट वगैरह का काम अधूरा है। कुछ इंजीनियरिंग कॉलेज चल रहे हैं लेकिन लोग डेली अप–डाउन करते हैं। विशेष पैकेज के मुद्दे पर ही मार्च 2018 में चंद्रबाबू ने एनडीए का साथ छोड़ा था। वैसे संजय कुमार का कहना है कि आंध्र में चंद्रबाबू जिस तरह के विकास कार्य करना चाहते हैं, उसके लिए केंद्र का साथ जरूरी है। आमतौर पर दिल्ली के साथ उनके रिश्ते अच्छे रहते हैं। बीच में थोड़ी बात बिगड़ी थी, पर लगता नहीं कि लंबे समय बाद सत्ता में वापसी कर रहे चंद्रबाबू नायडू फिर कोई अलग रास्ता अपनाएंगे।

अष्टयोग-5052

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5051 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

सर्जना का विषय

मोहन। गलत सूचना से लड़ना एक जटिल चुनौती है जिसके लिए तथ्य जांच करने वाले स्थान में नवाचार और सूचना ग्रहण के तरीकों की गहरी समझ की आवश्यकता होगी। हमें लोकतंत्र के पवित्र द्वारों पर पहरा देना होगा ताकि गलत सूचना के राक्षस से लड़ाई लड़ी जा सके। क्या आश्चर्य कि इन पीड़ितों का क्षोभ गाहेबगाहे कवियों की सर्जना का विषय भी बनता आया है। तभी तो युवा कवि अदनान कफील दरवेश अपनी 'अब तो सब सही है' शीर्षक कविता में जब लिखते हैं– 'हमें भी यकीन आ ही गया अब आना ही था एक दिन कि कोई भाईचारा नहीं था कभी यहांध्न कोई गंगा–जमुनी तहजीब थी। ये सब तो बुजुर्गों की कब्रों से उठती धूल थी जो बैठ गई', तो 'हमचुनी दीगरे नेस्त' के अलमबरदारों को कुछ देर तो अपना मुंह छिपाना ही पड़ता है। भले ही उसके बाद वे और ढीठ हो जाएं और ढिठाईपूर्वक यही साबित करने लग जाएं कि चूंकि यह तहजीब भी 'शाही', 'हुक्मी' व 'सामंती' ही रही है, इसलिए दूसरी 'शाही', 'हुक्मी' व सामंती तहजीबों से अलग नहीं है। स्त्रियों, दलितों, पिछड़ों और कामगारों के हक–हकूक के प्रति अपनी सहज संवेदनाओं को सुरक्षित रखने का मामला हो, तब तो और भी नहीं।

जान्हवी कपूर अस्पताल में भर्ती, दोस्त ने बताया क्यों बिगड़ी तबीयत!

जान्हवी कपूर पिछले कुछ दिनों से अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के हर दिन उनके साथ मौजूद थीं और जाहिर सी बात है कि उन्होंने खूब सारी मस्ती के साथ–साथ खाने के कई आइटम्स भी लिए। इससे उनकी डेली रूटीन पर काफी असर हुआ और वो पूरी तरह से आराम भी नहीं ले पा रही थीं। अब जान्हवी की तबीयत बिगड़ गई है और उन्हें झटपट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके बदले रूटीन ने उन पर प्रभाव डाला है और जान्हवी को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके एक करीबी दोस्त ने बताया, यह फूड पॉइजनिंग का एक गंभीर मामला है। जान्हवी घर पर बिस्तर पर पड़ी थीं, बहुत कमजोर और चिंतित महसूस कर रही थीं। उन्होंने अपने सारे काम कैंसिल कर दिए और बाकी दिनों में उसे पूरा करने के लिए कहा। इसलिए, परिवार ने उन्हें उचित चिकित्सा देने का फैसला किया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया, हालांकि वह अभी भी ठीक होने की उम्मीद कर रही हैं। हम प्यारी जान्हवी कपूर के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। कुछ दिन पहले, जान्हवी कपूर ने अनंत अंबानी–राधिका मर्चेंट की शादी में अपने बेहतरीन फैशन सेंस से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी थी। अपने इंस्टा हैंडल पर एक्ट्रेस ने कपल के शुभ आशीर्वाद समारोह से अपना लुक शेयर किया।

मैंने सोचा कि पता नहीं क्या है ये विक्की कौशल और जब मिली

जहां श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी वेब सीरीज मिर्जापुर 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं, वहीं विक्की कौशल की अगली फिल्म बैड न्यूज शुक्रवार को रिलीज हो गई। करीब 9 साल पहले दोनों फिल्म मसान में साथ नजर आए थे और उस वक्त इंडियन दर्शकों के लिए ये दोनों ही चेहरे बिल्कुल अनजान थे। बतौर लीड रोल श्वेता और विक्की दोनों की फिल्म मसान ही थी जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया और इनकी फिल्मी रिपोर्ट कार्ड पर शुरुआत में ही लग गया। इस फिल्म में श्वेता त्रिपाठी ने अपनी असली उम्र से करीब 10–12 साल कम उम्र वाला किरदार निभाया था। श्वेता ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए बताया था फिल्म में विक्की कौशल के किरदार दीपक के लिए जब हीरो को सर्च किया जा रहा था तो उन्होंने किसी को ये कहते हुए सुना था कि दीपक ज्यादा लंबा नहीं होना चाहिए क्योंकि मैं 5 फीट की हूं। श्वेता ने कहा– मुझे ये सुनकर अच्छा लगा था कि मेल लीड को फीमेल के हिसाब से ढूंढा जा रहा है।

ऋचा चड्ढा ने बेटी को दिया जन्म, शुभ दिन पर घर में आई लक्ष्मी

ऋचा चड्ढा और अली फजल बॉलीवुड के सबसे नए सेलिब्रिटी माता–पिता हैं। अभी हाल ही में, दोनों ने अपने पहले बच्चे के आने से पहले एक फोटोशूट के लिए पोज दिया और अब, उन्होंने अपने बच्चे की खबर शेयर की है। दोनों को मंगलवार को एक बेटी हुई है। कपल ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा– हम 16.07.24 को एक स्वस्थ बच्ची के आगमन की घोषणा करते हुए खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं! हमारे परिवार बहुत खुश हैं और हम अपने शुभचिंतकों को उनके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देते हैं। ऋचा चड्ढा और अली फजल ने हाल ही में एक मैटरनिटी फोटोशूट के लिए पोज दिया। तस्वीरों में ऋचा और अली उनके बेबी बंप को छू रहे हैं। एक तस्वीर में वह लेटी हुई नजर आ रही हैं और दोनों सोच में खोए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा, हम रोशनी के एक योद्धा, करुणा, सहानुभूति और सबसे ऊपर अपने प्यारे बच्चे को ला रहे हैं। आमीन। इसके बाद उन्होंने एक संस्कृत श्लोक जोड़ा, जिसका अनुवाद इस तरह है, ओम! वह अनंत है और एक ब्रह्मांड है। ओम! शांति! शांति! शांति! अपनी पोस्ट को खत्म करते हुए उन्होंने कमेंट सेक्शन को बंद करने के पीछे का कारण बताया और लिखा, कमेंट्स बंद हैं, क्योंकि यह सबसे निजी चीज है जो मैंने पोस्ट की है। ऋचा चड्ढा और अली फजल की मुलाकात फुकरे के सेट पर हुई थी।

प्रियंका के बर्थडे पर निक जोनस ने किया प्यार का इजहार

प्रियंका चोपड़ा 18 जुलाई अपना 42वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर यूं तो उनके चाहने वालों ने और अपने ने भी उन्हें बधाई दी है और पोस्ट किया है, लेकिन निक जोनस का पोस्ट सबसे खास है। दुनिया भर से उनके फैंस और सिलेब्रिटीज उन्हें बधाई दे रहे हैं। एक्ट्रेस के हसबैंड और हॉलीवुड सिंगर एक्टर निक जोनस ने भी वाइफ पर खूब सारा प्यार लुटाया है। निक ने प्रियंका को बर्थडे विश करते हुए उनकी कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं। इसी से साथ एक स्पेशल मैसेज भी लिखा है। बीवी के लिए किए गए निक के इस पोस्ट पर फैंस लगातार हार्ट इमोजी शेयर कर रहे हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आप जैसी महिला हैं, मैं कितना लकी हूं

इंस्टाग्राम पर निक ने प्रियंका की चार तस्वीरें शेयर की हैं और कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप जैसी महिला हैं, मैं कितना लकी हूं। हैपी बर्थडे माय लव। पहली तस्वीर में प्रियंका यलो स्विमसूट में पूल में नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह समंदर किनारे निक जोनस के साथ दिख रही हैं और दोनों एक–दूसरे को किस करते दिख रहे हैं। तीसरी फोटो में ग्रीन कलर के आउटफिट में धूप में सोफे पर बैठकर पोज देती दिख रही हैं और चौथे में ढलती शाम का खूबसूरत नजारा है और दोनों हाथों में हाथ डाले

एक–दूसरे से नजरें मिलाते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों पर लोगों ने भी खूब कॉमेंट किए हैं। एक ने कहा– आप सच में लकी हैं जीजू। वहीं कुछ ने कहा– प्रियंका भी लकी हैं।

ग्रैंड इवेंट मेट गाला 2017 में हुई थी मुलाकात

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की मुलाकात ग्रैंड इवेंट मेट गाला 2017 में हुई थी। दोनों ने साल 2018 में उदयपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी रचाई। जनवरी, 2022 में सरोगेसी से उन्हें बेटी मालती मैरी हुई।

द ब्लफ की शूटिंग में बिजी

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड के साथ–साथ हॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वह द ब्लफ की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं निक जोनस की फिल्म द गुड हाफ 23 जुलाई (अमेरिका) और बाकी जगहों पर 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

पापा छोटी–छोटी बातों को बड़ा बना देते है: जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने जबसे महाराज मूवी से एक्टिंग में डेब्यू किया है, तबसे ही वो लगातार चर्चा में हैं। जुनैद की एक्टिंग के सभी मुरीद हो गए और उनकी सादगी के भी कायल हैं। अब उन्होंने पापा आमिर को लेकर खुलासा किया है कि वो कभी हुक्म नहीं चलाते हैं और हमेशा सिर्फ सुझाव देते हैं। हालांकि, वो छोटी–छोटी बात को बढ़ा–चढ़ाकर बोलते हैं।

महाराज फिल्म से एक्टिंग में डेब्यू करने वाले जुनैद खान ने कहा, पापा हमें हमेशा वो बनने की आजादी देते हैं, जो हम हैं। वो इसके लिए हमारी सराहना करते हैं। वो कभी भी हुक्म नहीं चलाते हैं, हमेशा सुझाव देते हैं। वो कहते हैं, देखो, मैं ये महसूस करता हूं, लेकिन तुम्हें वही करना है, जो तुम करना चाहते हो।

अहटो रिक्शा की सवारी क्यों करते हैं जुनैद?

जुनैद ने एक बार पॉन्डिचेरी से बेंगलुरु जाने के लिए फ्लाइट की जगह सरकारी बस की सवारी की थी। इसका जिक्र आमिर कई दफा कर चुके हैं। इस पर जुनैद ने कहा, कहानी सच है, लेकिन इसे बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया है। मैंने बस को सिर्फ इसलिए चुना था, क्योंकि उस जर्नी के लिए ये सबसे बेस्ट ऑप्शन था। मालूम हो कि मुंबई में जुनैद अक्सर लग्जरी कार की बजाय ऑटो रिक्शा में सवारी करना पसंद करते हैं और फैंस उनकी सादगी के मुरीद हैं।

पापा छोटी-छोटी बातों को बड़ा बना देते हैं

जुनैद ने मजाकिया अंदाज में कहा, पापा छोटी–छोटी बातों को बड़ा बना देते हैं। मैं बस सबसे बेस्ट ट्रांसपोर्ट चुनता हूं। मुंबई के ट्रैफिक और पार्किंग की समस्याओं से निपटने के लिए ऑटो रिक्शा काफी मुफीद है।

आमिर और रीना के बेटे हैं जुनैद

आमिर खान और उनकी एक्स वाइफ रीना दत्ता के बेटे जुनैद की एक बहन आइरा भी हैं। आमिर और रीना साल 2002 में सेपरेट हो गए थे और 2005 में उन्होंने किरण राव से शादी कर ली थी। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। आमिर और किरण का एक बेटा है आजाद, जिसका जन्म सरोगेसी से हुआ है।

सुबह शरीर गर्म रहता है? यह कोई हल्का बुखार नहीं

अगर किसी को अक्सर सुबह उठते ही बुखार महसूस होता है, तो इसके पीछे कुछ संभावित कारण हो सकते हैं। इसका इलाज कराना जरूरी है ताकि स्वास्थ्य पर कोई गंभीर प्रभाव न पड़े।

क्या आपको भी सुबह उठते ही बुखार लगता है, अगर ऐसा कभी–कभार है, तो यह आम है। किसी थकान या सर्दी जुकाम या वायरल फीवर के कारण हो सकता है। यदि बुखार आपको अक्सर सुबह उठने के बाद महसूस होता है और फिर दिनभर में आराम मिल जाता है। तो यह चिंता का विषय है और आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए। सुबह उठते ही बुखार महसूस होने के पीछे कुछ संभावित कारण हो सकते हैं, जैसे किसी गंभीर प्रकार का इंफेक्शन या रोग हो सकता है। क्योंकि सुबह बुखार आना कई बीमारियों का लक्षण भी हो सकता है।

संक्रमण

किसी प्रकार का इंफेक्शन जैसे कि साइनसाइटिस, ब्रोंकाइटिस या यूरीनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन आदि के लक्षणों में सुबह बुखार आना शामिल हो सकता है। इन संक्रमण का इलाज बहुत जरूरी है, जिसमें एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवाएं दी जाती हैं।

स्लीप एपनिया

स्लीप एपनिया के कारण रात में नींद बाधित हो जाती है और जिससे शरीर तनावग्रस्त महसूस करता है और इसके कारण सुबह बुखार महसूस हो सकता है।

हाइपोथायरायडिज्म

हाइपोथायरायडिज्म के मरीजों में भी यह लक्षण देखने को मिल सकता है। जिसके कारण भी सुबह बुखार हो सकता है।इसलिए अपना थायराइड फंक्शन टेस्ट कराएं और डॉक्टर से मिलें।

तनाव

अत्यधिक तनाव और चिंता से शरीर का तापमान बढ़ सकता है, जिस कारण आपको सुबह उठने के बाद बुखार महसूस हो सकता है।
इसलिए तनाव का इलाज करें।

क्रोनिक इंफ्लेमेटरी कंडीशन

क्रोनिक इंफ्लेमेटरी कंडीशन्स भी सुबह बुखार का कारण बन सकती हैं। गठिया या अन्य ऑटोइम्यून डिजीज शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, और बुखार भी आ सकता है।

पंसारी की दुकान पर धूल खा रही सबसे बड़ी दवा

प्रकृति से कई सारी औषधियां मिली हैं। यह जड़ी बूटियां काफी शक्तिशाली हैं। इनका उपयोग बड़ी से बड़ी बीमारी से बचाने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे ताकतवर जड़ी बूटी कौन सी है। तिब्बत में हरड़ को दवाओं की रानी कहा जाता है। आयुर्वेद में इसे हरितकी के नाम से भी जाना गया है। पहले पंसारी पर मिलने वाली इन जड़ी बूटियों का काफी उपयोग किया जाता था। लेकिन समय के साथ इनका इस्तेमाल भूला दिया गया है। आज यह दुकानों पर धूल खा रही है। हरड़ का सही इस्तेमाल करके लंबी से लंबी बीमारी को खत्म किया जा सकता है। पेट की सभी बीमारियों में तो यह काफी कारगर साबित होती है। हरड़ का काढ़ा बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके पाउडर को 1 गिलास गुनगुने पानी में डालकर सुबह के वक्त पीएं। ध्यान रहे कि आपका पेट पूरी तरह से खाली हो। इस तरह यह उपाय ज्यादा कारगर साबित होता है। शोध के मुताबिक हरड़ लेक्सेटिव माना जाता है। यह पेट की गंदगी बाहर निकालने में मदद करता है। इससे अपच, गैस और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है और डायजेशन को बढ़ा सकते हैं। हरड़ का नियमित सेवन पेट के अल्सर और आंतों की सूजन को कम करने में भी मददगार होता है।

डायबिटीज शुरू होते ही एड़ी में दिखते हैं ये लक्षण

डायबिटीज एक धीमी बीमारी है। जिसकी शुरुआत काफी धीरे–धीरे होती है। एक बार होने के बाद यह लाइलाज बन जाती है। बाद में इसे मैनेज तो कर सकते हैं लेकिन पूरी तरह रोक पाना मुश्किल हो जाता है। इसकी वजह से शरीर में इंसुलिन का लेवल प्रभावित हो जाता है। मधुमेह का पता कैसे लगाएं? डायबिटीज को अगर काबू में करना है तो इसकी शुरुआत के बारे में पता रखना होगा। बॉडी में जब इंसुलिन कम या बेअसर होने लगता है तो ब्लड ग्लूकोज बढ़ा रहता है। इसकी वजह से पैर में कई सारे लक्षण दिखते हैं। जो आपकी एड़ियों के जरिए बीमारी के बारे में बता सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डायबिटीज एंड डायजेस्टिव एंड किडनी डिजीज के मुताबिक डायबिटीज और पैरों का गहरा रिश्ता है। इस बीमारी में ब्लड फ्लो कम हो जाता है और पैरों को पर्याप्त खून नहीं मिल पाता। इसकी वजह से पैरों और एड़ियों में कुछ दिक्कतें आने लगती हैं। डायबिटीज में ब्लड सर्कुलेशन कम होने की वजह से स्किन ड्राई हो जाती है। यह समस्या पैर और एड़ी में भी दिखाई देती है। इनका फटना दर्दनाक हो सकता है और कभी कभी इंफेक्शन का कारण भी बन सकता है।

बुढ़ापे की लाठी हैं ये चीजें, दूध से ज्यादा है कैल्शियम

शरीर को स्वस्थ और मजबूत रखकर उसके कामकाज को बेहतर बनाने के लिए जिस तरह प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह कैल्शियम की भी सख्त जरूरत होती है। कैल्शियम एक मिनरल है, जो हड्डियों और दांतों को बनाता है, स्वस्थ रखता है और मजबूती देता है। कैल्शियम के फायदे क्या हैं? कैल्शियम हड्डियों और दांतों को मजबूत और घना बनाता है। कैल्शियम मांसपेशियों के संकुचन के लिए भी जरूरी है, तंत्रिका कोशिकाओं के बीच संदेशों के संचार में कैल्शियम जरूरी है। रक्त के थक्के जमने की प्रक्रिया में कैल्शियम शामिल होता है। कैल्शियम का सेवन हाई बीपी को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। दो सूखे अंजीर में लगभग 65 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। आप इन्हें ओटमील के ऊपर काटकर या स्मूदी में मिलाकर खा सकते हैं। आप इन्हें पनीर के साथ या पिज्जा टॉपिंग के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। कैंड सैल्मन की 3–औंस की मात्रा में 180 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। कैल्शियम की मात्रा इतनी अधिक होने का कारण यह है कि कैंड सैल्मन में बहुत छोटी और मुलायम हड्डियां होती हैं, जिन्हें आप शायद महसूस भी न करें। बादाम, चावल या सोया से बने दूध को आमतौर पर फोर्टिफाइड किया जाता है।

मोटापा तो कम कर देगा मगर पाचन सिस्टम डैमेज कर देगा सेब का सिरका

वेट लॉस के घरेलू उपचारों में एप्पल साइडर विनेगर को काफी फायदेमंद माना जाता है और यह है भी, लेकिन एक सीमित समय तक। इसका लंबे समय तक इस्तेमाल करने से आपके स्वास्थ्य को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचाने लगता है, सबसे ज्यादा पाचन तंत्र को। इसके लिए हड्डियां भी कमजोर होने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका सेवन करने के कई समस्याओं में लाभ मिलता है, लेकिन जब बहुत लंबे समय तक इसका कोई इस्तेमाल करने लगता है, तो धीरे–धीरे इस स्ट्रांग एसिड का शरीर के कई अंगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है।

हो सकते हैं गंभीर नुकसान

अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर के फायदों का लाभ उठाना है, तो इसका इस्तेमाल दो महीने से ज्यादा न करें। भले फिर कुछ महीनों का गैप कर के दोबारा कर लें। इसके अलावा, इसका सेवन भी सीमित मात्रा में और पानी में मिलाकर उपयोग करें। किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य समस्या होने पर अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

पाचन तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है

एप्पल साइडर विनेगर ज्यादा समय पीने से डाइजेशन को नुकसान सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में हाई एसिड होता है,

जो धीरे–धीरे पेट की परत को गंभीर तरह से नुकसान पहुंचा सकता है।

दांतों को नुकसान पहुंचता है

एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक इस्तेमाल दांतों की इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे दांत संवेदनशील हो सकते हैं और कैविटी का खतरा बढ़ सकता है।

गले और पेट में जलन

एप्पल साइडर विनेगर में स्ट्रांग एसिड होते हैं, जिसका लंबे समय तक इस्तेमाल करने से गले और पेट में जलन हो सकती है और इस कारण अल्सर या गैस्ट्राइटिस की समस्या हो सकती है।

शरीर में पोटेशियम की कमी

अधिक मात्रा में एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से शरीर में पोटेशियम का स्तर कम हो सकता है, जिससे मांसपेशियों की कमजोरी और हार्ट बीट पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

हड्डियों का घनत्व कम होना

कुछ शोधों के अनुसार इस विनेगर का अत्यधिक उपयोग बोन डेंसिटी को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है।

त्वचा पर जलन

बहुत समय तक एप्पल साइडर विनेगर पीने से त्वचा में एलर्जी, रैशेज और जलन जैसी समस्या हो सकती है, खासतौर पर उन्हें जिनकी स्किन बहुत सेंसिटिव होती है।

चहल का क्या होगा?

टी20 वर्ल्ड कप–2024 की टीम में चहल को जगह मिली थी, लेकिन उन्हें एक भी मैच में प्लेइंग–11 में नहीं चुना गया था। पूरा टूर्नामेंट में वह पानी ही पिलाते रहे और बेंच पर रहे। श्रीलंका दौरे पर तो उन्हें नए कोच गौतम गंभीर ने टीम से बाहर कर दिया। टी20 में चहल की जगह बिश्नोई है। बिश्नोई को इसलिए तरजीह दी गई कि वह एक बेहतरीन फील्डर हैं। उनकी फिरकी खेलना आसान नहीं रहता है। लेकिन चहल की फिरकी में भी अच्छे से अच्छे बल्लेबाजों को फंसाने का दम है।

क्या खत्म हो गया युजवेंद्र चहल का करियर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को इसी महीने श्रीलंका का दौरा करना है। इस दौरे पर टीम इंडिया को तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया। लेकिन दोनों टीमों में से एक नाम नदारद था। ये वो नाम है जो टी20 वर्ल्ड कप–2024 में टीम का हिस्सा था, लेकिन श्रीलंका दौरे पर इस खिलाड़ी को सेलेक्टर्स ने नजरअंदाज कर दिया। ये खिलाड़ी हैं युजवेंद्र चहल। चहल इस समय के बेहतरीन लेग स्पिनर हैं, लेकिन श्रीलंका दौरे पर न ही उन्हें टी20 टीम में जगह मिली और न ही वनडे टीम में। टी20 में चहल के ऊपर रवि बिश्नोई को तरजीह दी गई। वहीं वनडे टीम में कुलदीप यादव को चुना गया। इसी के साथ सवाल उठने लगे हैं कि क्या चहल का करियर खत्म हो गया है? क्या चहल अब टीम इंडिया की जर्सी में दिखाई नहीं देंगे? अब सवाल ये है कि क्या चहल के लिए टीम इंडिया के रास्ते हमेशा के लिए बंद हो गए हैं? श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम देखी जाए तो इसमें अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर हैं। सुंदर को रवींद्र जडेजा का विकल्प माना जा रहा है जो टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं।

नए टी20 कप्तान को ही कर दिया वनडे टीम से बाहर

क्रिकेट

सूर्यकुमार यादव को नहीं मिली वनडे टीम में जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया को नया टी20 कप्तान मिल गया है। टी20 वर्ल्ड कप–2024 के बाद रोहित शर्मा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास से लिया था। इसके बाद से ही सभी को इंतजार था कि टी20 में टीम का अगला कप्तान कौन होगा। पहले इस रेस में हार्दिक पांड्या का नाम सबसे आगे था जो वर्ल्ड कप के दौरान उप–कप्तान थे, लेकिन यकायक इस मामले में सूर्यकुमार यादव आगे निकल गए। हैरानी वाली बात है ये है कि जिस खिलाड़ी पर भरोसा जता सेलेक्टर्स और नए कोच गौतम गंभीर ने टी20 कप्तानी उसे सौंपी, उसी खिलाड़ी को वनडे टीम में जगह तक नहीं मिली।

अब एक और बात पर गौर करते हैं। हाल ही में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस दौरे पर कई युवा खिलाड़ियों को डेब्यू का मौका मिला था। उनमें से ही एक थे रियान पराग। पराग ने दो मैच खेले, लेकिन वह सफल नहीं रहे। पहले मैच में दो रन और दूसरे मैच में 22 रन बनाकर वह भारत लौट आए। हैरानी की बात ये है कि रियान पराग को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम में तो चुना गया है, साथ ही वनडे टीम में भी उनका नाम है।

पहली नजर में ये फैसला हैरानी भरा लगता है लेकिन इसी के साथ सेलेक्टर्स ने अपनी रणनीति भी बता दी है। सूर्यकुमार का टी20 में कोई तोड़ नहीं है। वह तेजी से रन बनाते हैं, मैच पलटने का दम रखते हैं। लेकिन अपनी इस कला को सूर्यकुमार वनडे में दोहरा नहीं पाए। उन्हें मौके दिए गए जिनमें ये दाएं हाथ का बल्लेबाज फेल रहा। सूर्यकुमार ने भारत के लिए 37 वनडे मैच खेले हैं, लेकिन उनका औसत खराब रहा है। उन्होंने 25.76 की औसत से 773 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक आए हैं। सूर्यकुमार में वनडे प्लेयर वाली बात भी नजर नहीं आई थी और इसी कारण चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए उनको बाहर कर दूसरे विकल्प तैयार करने पर जोर दिया गया है।

सूर्यकुमार वनडे में खेलते तो नंबर 5 पर खेलते। इस नंबर के लिए टीम मैनेजमेंट अब रियान पराग को देख रहा है। असम से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले पराग नंबर–5 पर खेलते हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में वह लगातार नंबर–5 पर रहते हुए रन बना रहे हैं। वह तेजी से रन बना सकते हैं, बड़े शॉट्स लगा सकते हैं। वह पारी बना भी सकते हैं। ये सब पराग ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में करके दिखाया है। इसके अलावा पराग पार्ट टाइम ऑफ स्पिन भी फेंकते हैं जो टीम के काम आ सकती है।

गौतम गंभीर टीम इंडिया का कोच बनने के बाद सुधार रहे हैं सालों पुरानी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए श्रीलंका दौरा एक नई शुरुआत होगा। इस दौरे पर नए हेड कोच गौतम गंभीर अपने काम की शुरुआत करेंगे। श्रीलंका दौरे के लिए सेलेक्शन कमेटी ने टी20 और वनडे टीमों का एलान भी कर दिया है और इसमें गंभीर की सोच साफ नजर आ रही है। वह भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जिसकी बुनियाद नए और युवा चेहरे हैं। गंभीर साथ ही अपनी एक पुरानी गलती भी सुधारते नजर आ रहे हैं।

आगे बढ़ें, उससे पहले बता दें कि श्रीलंका दौरे पर भारत को तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। भारत ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप–2024 का खिताब जीता था। इसके बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 को अलविदा कह दिया। टीम को अब इनके विकल्प की खोज है और टी20 के कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव को जिम्मेदारी सौंप एक खाली जगह तो भर दी गई है।

श्रीलंका दौरे के साथ शुरू करेंगे काम

गंभीर आईपीएल में काफी सफल रहे हैं। बतौर कप्तान और बतौर कोच/मेंटर भी। उन्हीं के कप्तान रहते कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो बार आईपीएल जीता। इसके बाद आईपीएल–2024 में वह कोलकाता के साथ बतौर मेंटर बनकर लौटे और फिर कोलकाता तीसरा खिताब जीतने में सफल रही। गंभीर साल 2011 से 2017 तक टीम के कप्तान रहे। इस दौरान गंभीर को एक बात का पछतावा रहा था। ये बात गंभीर ने आईपीएल–2024 के दौरान कही थी। गंभीर ने स्पोर्टसकीडा से बात करते हुए कहा था कि उन्हें केकेआर के कप्तान के तौर पर एक ही पछतावा रहा है और वो ये है कि वह सूर्यकुमार यादव के टैलेंट का अच्छे से इस्तेमाल नहीं कर पाए।

सूर्यकुमार 2014 में मुंबई इंडियंस से कोलकाता आ गए थे। वह टीम के उप–कप्तान भी रहे लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसी बात का पछतावा गंभीर को है कि वह उस समय सूर्यकुमार की प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पाए। गंभीर का मानना था कि सूर्यकुमार टी20 के बहुत बड़े खिलाड़ी हैं और इस फॉर्मेट में सफल होने के लिए उनके पास हर जरूरी काबिलियत है। 2018 में वह फिर मुंबई इंडियंस चले गए।

हॉकी का गोल्डन दौर लौटाने का लक्ष्य

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ओलंपिक्स में हॉकी का खेल सही मायनों में भारत की सच्ची गौरवगाथा है। आधुनिक ओलिंपिक गेम्स की शुरुआत के बाद से दुनिया की ऐसी कोई टीम नहीं है जिसने 20वीं सदी में भारतीय मेंस हॉकी टीम से ज्यादा कामयाबी हासिल की हो और प्रभाव छोड़ा हो। ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक्स में भारत ने अभी तक तमाम खेलों को मिलाकर कुल 35 मेडल ही जीते हैं जिनमें 10 गोल्ड, नौ सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। दिलचस्प यह है कि 10 गोल्ड मेडल में से आठ अकेले भारतीय मेंस हॉकी टीम ने ही दिलाए हैं। जबकि एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल भी उसके हिस्से आए हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1928, 1932, 1936, 1948, 1952, 1956, 1964 और 1980 के ओलिंपिक्स में स्वर्ण पदक जीता। ऐसे में पेरिस ओलिंपिक्स–2024 के लिए एक बार फिर इस खेल में उम्मीदें जवां हो गई हैं।

न्यूज डायरी

टीम में नहीं मिलती थी जगह तो कमरा बंद कर रोता था ये क्रिकेटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत को इसी महीने श्रीलंका दौरे पर जाना है। इस दौरे के लिए बीसीसीआई की सीनियर सेलेक्शन कमेटी ने गुरुवार को टी20 और वनडे टीम का एलान कर दिया। रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को इस दौरे से आराम दिए जाने की खबरें थीं लेकिन रोहित–विराट को आराम नहीं दिया गया। बुमराह को जरूर आराम मिला है और उनकी जगह टीम में आया है कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल–2024 का खिताब दिलाने में अहम रोल निभाने वाला खिलाड़ी। नाम है हर्षित राणा। हर्षित राणा ने आईपीएल–2024 में 13 मैचों में कुल 19 विकेट लिए और वह सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे। इसी का नतीजा रहा कि राणा को बुमराह की जगह टीम में चुना गया। राणा ने बीते कुछ सालों में घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित किया है लेकिन उनकी सोच और खेल में बड़ा अंतर तब आया जब केकेआर में वह गौतम गंभीर के अंडर में रहे। वहीं अब टीम इंडिया के हेड कोच हैं और वह राणा को बुमराह की जगह लेकर आए हैं। राणा ने कहा कि गंभीर के साथ केकेआर में काम करने से उनका नजरिया बदला और वह अपने खेल को बेहतर कर सके। राणा ने कहा कि उनको यहां तक पहुंचाने में उनके पिता, उनके कोच अमित भंडारी और गंभीर का अहम रोल रहा है। राणा ने कहा, ष्गेम के प्रति मेरा नजरिया बदला है तो इसकी बहुत बड़ी वजह गौती भइया (गौतम गंभीर) की केकेआर में मौजूदगी रही है।

गौतम गंभीर के हेड कोच बनते ही ठंडे पड़े विराट कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जब भी भारतीय क्रिकेट टीम के एंग्री यंग मैन प्लेयर्स की लिस्ट बनेगी तो गौतम गंभीर और विराट कोहली का नाम सबसे ऊपर आएगा। दिल्ली के इन लड़कों में कूट–कूटकर एटिट्यूड भरा हुआ है, जो मैदान पर उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। गुस्सा तो मानो हर दम नाक पर ही चढ़ा रहता है। उम्र में खुद से सात साल बड़े श्गौतम भैय्याश् से कोहली कई बार ग्राउंड पर भिड़ चुके हैं, लेकिन अब कहानी अलग है। बीसीसीआई ने गौतम गंभीर को टीम का हेड कोच बना दिया है। ऐसे में दोनों दिग्गजों को अपना श्इगोश् और श्स्टारडमश् अलग रखना ही होगा ताकि ड्रेसिंग रूम का माहौल ठीक रह सके। इस दिशा में विराट कोहली ने पहला कदम आगे बढ़ा दिया है, उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को आश्वासन दिया है कि वह गौतम गंभीर के साथ अपनी पुरानी तकरारों को भूलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली ने बीसीसीआई को बता दिया है कि वह पुरानी कड़वी यादों को भुलाकर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं क्योंकि यही टीम और भारतीय क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में है। रिपोर्ट में कहा गया, श्माना जाता है कि कोहली ने कहा है कि पिछले मुद्दों से उनके पेशेवर संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने इस बारे में संबंधित बीसीसीआई अधिकारियों को स्पष्ट रूप से बता दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मुद्दे पर चर्चा संभवतः टी–20 विश्व कप फाइनल के बाद हुई थी।

संजू सैमसन ही नहीं, इस खिलाड़ी के साथ भी हुआ अन्याय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लोकसभा सांसद और क्रिकेट के शौकीन शशि थरूर ने श्रीलंका दौरे के लिए चुनी गई टीमों को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड की सिलेक्शन कमिटी पर खूब निशाना साधा है। बोर्ड द्वारा चुनी गई टीम में कुछ आश्चर्यजनक खिलाड़ी शामिल नहीं थे, जिसने थरूर का ध्यान खींचा। हर बार संजू सैमसन को लेकर सिलेक्टरों को कोसने वाले शशि थरूर ने इस बार एक और खिलाड़ी का सपोर्ट किया है। उन्होंने वनडे और टी20 से अभिषेक शर्मा को बाहर किए जाने के खिलाफ आवाज उठाई है। सैमसन को श्रीलंका के खिलाफ सबसे छोटे प्रारूप की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली, जबकि अभिषेक को दोनों ही टीमों से नजरअंदाज कर दिया गया। अभिषेक ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार शतक बनाया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ओपनिंग की जिम्मेदारी अब यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा के पास रहेगा, क्योंकि रोहित शर्मा के संन्यास की वजह से टी20 टीमें ओपनर की जगह खाली थी।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शनिवार, 20 जुलाई 2024 पेज 8

कांवड़ यात्रा तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक करती हुई जिलाधिकारी।

संक्षिप्त समाचार

तीन पीसीसीएफ सहित 13 आईएफएस के तबादले

संवाददाता देहरादून। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सरकार ने तीन पीसीसीएफ सहित 13 आईएफएस अफसरों के तबादले कर दिए। परियोजना निदेशक जायका के पद पर तैनात विजय कुमार को उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पीसीसीएफ गरिजा शंकर पांडे से सीईओ कैंपा की जिम्मेदारी हटाकर उन्हें वन विकास निगम का नया एमडी बनाया गया है। राजाजी पार्क के निदेशक डा. साकेत बडोला को कार्बेट का नया निदेशक बनाया गया है। वन्यजीव संरक्षण में उनके काम और अनुभव को देखते हुए ये अहम दायित्व दिया गया है। बीपी गुप्ता को पीसीसीएफ वन पंचायत व प्रशासन की जिम्मेदारी दी गई है।

उत्तराखंड में भारतीय व्यापार मंडल करेगा संगठन विस्तार

संवाददाता देहरादून। भारतीय व्यापार मंडल उत्तराखंड में जल्द संगठन का विस्तार करेगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने शुक्रवार को कैंट रोड स्थित संगठन दफ्तर में सदस्यों की बैठक ली। बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर सभी सदस्यों ने अपनी राय रखी। साथ ही अध्यक्ष अग्रवाल के शपथ ग्रहण समारोह पर भी चर्चा हुई। अग्रवाल ने कहा कि वो उत्तराखंड में व्यापारी हितों के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बड़े व्यापारी से लेकर छोटे व्यापारियों को संगठित करना उनकी प्राथमिकता होगी। व्यापारियों की समस्याओं का संगठन स्तर पर निराकरण किया जाएगा।

वार्डों में विकास कार्य शुरू नहीं करवाने के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक राजकुमार और अन्य जनप्रतिनिधियों ने वार्डों में प्रस्तावित विकास कार्य शुरू नहीं पर शुक्रवार को निगम कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द काम शुरू करने की मांग उठाई। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि नगर निगम के कई वार्डों में सड़क, नाली, पुश्तों आदि का कार्य शुरू नहीं हो पाया।

इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड ने पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

संवाददाता देहरादून। इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की सूचना दी है। कंपनी ने अपना रेवेन्यू 19.98 मिलियन रुपये रिपोर्ट किया। पीबीटी 12.76 मिलियन रुपये पर रिपोर्ट किया गया था, वहीं शुद्ध लाभ 9.54 मिलियन रुपये पर आने के साथ, ईपीएस 0.63, रुपये बढ़ते हुए सालाना आधार पर 0.03 रुपये से बढ़ रहा है।

चिन्हित हॉट स्पॉट क्षेत्रों में वन कर्मियों की गश्त बढ़ाई जाए: सीएम

निर्देश

■ मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 20 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग द्वारा और प्रभावी प्रयास किये जाएं। इसके निवारण के लिए सुनियोजित नीति बनाते हुए इस पर गंभीरता से कार्य किया जाए। मानव–वन्यजीव संघर्ष में मृतकों के परिजनों और घायलों को यथाशीघ्र अनुमन्य सहायता उपलब्ध करवाई जाए। जंगलों से लगते जो स्थान बायो फेंसिंग से वंचित रह गए हैं, उन स्थानों को अतिशीघ्र बायो फेंसिंग से आच्छादित किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ये निर्देश शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 20 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम हेतु चिन्हित हॉट स्पॉट क्षेत्रों में वन कर्मियों की गश्त बढ़ाई जाए एवं

वन कर्मियों को पर्याप्त मात्रा में उपकरण कैमरा ट्रैप, एनाईडर, ट्रैंक्यूलाइज गन आदि दी जाए। साथ ही आधुनिक उपकरण जैसे ड्रोन के माध्यम से भी जंगली जानवरों पर नजर रखी जाए। जिन प्रभागों में मानव वन्यजीव संघर्ष के ज्यादा मामले आ रहे हैं उन स्थानों पर विशेष नजर रखी जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जमरानी बाँध बहुउद्देशीय परियोजना के लिए नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाईफ से स्वीकृति मिल चुकी है। जनपद–पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर में किमसार–भोगपुर मोटर रोड के लिए नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाईफ से स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जिसका निर्माण जल्द किया जाएगा। 9 सालों से लंबित राजाजी टाइगर रिजर्व हेतु टाइगर कंजरवेशन फॉउण्डेशन का गठन कर लिया गया है। राज्य में वन्यजीव प्रबन्धन के समस्त बिन्दुओं को सम्मिलित करते हुये फॉरेस्ट लैण्डस्केप रीस्टोरेशन के 10 वर्षीय प्रस्ताव को तैयार किया जा रहा है। जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 में 32 करोड़ की धनराशि भारत सरकार से स्वीकृत हो गई है। प्रदेश में मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम हेतु वित्तीय वर्ष 2023–24 में आधुनिक उपकरणों के क्रय हेतु वन प्रभागों को 10 करोड़ 50 लाख रूपये की धनराशि आवंटित की गई है।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2009 के पश्चात राज्य में वन विश्राम भवनों की दरों को पुनरीक्षित किया गया है। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा हल्द्वानी जू एण्ड सफारी, हल्द्वानी के मास्टर प्लान को स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रदेश में बंदर बंध्याकरण का कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है, जिसमें जुलाई 2023 से 31 मार्च 2024 तक 39,398 बंदरों का बंध्याकरण किया चुका है। मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए 05 वन प्रभागों (गढ़वाल, टिहरी, पिथौरागढ़, बागेश्वर एवं नरेन्द्रनगर) के अन्तर्गत "लिविंग विद लैपर्ड" कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की त्वरित रोकथाम के लिये 31 वन प्रभागों के अन्तर्गत 65 त्वरित प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया है।

जू एंड सफारी के मास्टर प्लान पर जल्द डीपीआर बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में प्रस्तावित जू एंड सफारी के मास्टर प्लान पर जल्द डीपीआर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजाजी टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत चौरासी कुटिया का अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकास एवं उच्चीकरण अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राज्य में वन्य जीव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न नेशनल पार्कों के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए वाइल्डलाइफ आधारित डॉक्यूमेंट्री, फिल्म बनाने के भी निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न स्थानों पर बर्ड वाचिंग कैंप का आयोजन भी किये जाने को कहा। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में प्रस्तावित विकास योजनाओं को नियमों के दायरे में रहकर जल्द पूरा किया जाए, ताकि आमजन को सहूलियत मिल सके।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं का लाभ

समीक्षा

■दून में एनएचएम की समीक्षा बैठक के दौरान उपाध्यक्ष भट्ट ने दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद उत्तराखण्ड के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने शुक्रवार को जनपद देहरादून में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री भट्ट ने जनपद में अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में जनपद देहरादून के समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद

स्तरीय अधिकारी एवं ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने कहा कि समुदाय स्तर पर आयुष्मान कार्ड तथा उसके अंतर्गत मिलने वाले पैकेज व सूचीबद्ध चिकित्सालयों की सूचना का प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए। आशा कार्यकत्रियां समुदाय स्तर पर मुख्य स्वास्थ्य कार्यकत्री हैं, उनके कार्य से संबंधित इंसेंटिव समय पर निर्गत करें।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकों द्वारा जन औषधि केन्द्रों में उपलब्ध दवाओं को बढ़ावा देना चाहिए जो कि जनहित में है। स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी जनजन तक जानी चाहिए, जिससे कि प्रत्येक व्यक्ति इसका लाभ ले सके। स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों और धरातल पर स्वास्थ्य सेवाओं में समानता होनी चाहिए। लाभार्थियों की संतुष्टि ही सबसे बेहतर आंकड़े हैं।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय जैन द्वारा सुरेश भट्ट का स्वागत किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एन0एच0एम0 डॉ0 निधि रावत ने कार्यक्रमवार सभी योजनाओं की प्रगति से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। जिला वरिष्ठ क्षय रोग अधिकारी डॉ, मनोज वर्मा ने निजी चिकित्सालयों में आयुष्मान कार्ड में टीबी रोग के इलाज को सम्मिलित करने हेतु अनुरोध किया गया।

जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा तैयारियों को लेकर की बैठक

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता स्वर्ण जयंती सभागार नगर निगम ऋषिकेश में कांवड़ यात्रा तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने यात्रा की तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इसके उपरांत अधिकारियों के साथ आईडीपीएल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं बनाने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निगम को सफाई व्यवस्था, पार्किंग स्थल चिन्हित करते हुए, मोबाइल शौचालय, स्थापित करने, नगर निगम क्षेत्र में झाड़ी कटान के निर्देश दिए। वन विभाग यात्रा मार्ग पर वन क्षेत्र अन्तर्गत सड़क पर प्रकाश व्यवस्था एवं जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु इंतजाम करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य टीम बैठाने, दवाई की व्यवस्था, एंबुलेंस तैनात रखने के निर्देश।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।